प्रश्न 1 निम्नलिखित पंक्तियों का संदर्भ, प्रसंग सहित भावार्थ (अर्थ) लिखो:-

(1) मीरा, केशव, जायसी, तुलसी, सूर, कबीर।
किस भाषा की है भला, हिन्दी-सी तकदीर।
शब्द-शब्द संवेदना, अक्षर-अक्षर प्यार।
हर सुख से संपन्न है, हिन्दी का संसार।

संदर्भ- यह पंक्तियाँ हमारी पाठ्य-पुस्तक के पाठ-1 'हिन्दी का संसार' कविता से ली गई हैं। इसके कवि श्री जय चक्रवर्ती जी हैं।

प्रसंग- इन पंक्तियों में कवि ने हमारी मातृभाषा 'हिन्दी' के महत्व को बताया है तथा उसे अपने जीवन में अपनाने का आग्रह किया है।

अर्थ- कवि श्री जय चक्रवर्ती जी कहते हैं कि मीरा, केशव, तुलसी, कबीर, आदि कवियों की कविताएँ अधिकतर हिन्दी भाषा में ही लिखी गई है। इसलिए हमारी हिन्दी भाषा जैसा भाग्य किसी और भाषा का हो ही नहीं सकता। हिन्दी के शब्दों में भावना तथा हर एक अक्षर में प्यार भरा है। हिन्दी का संसार सभी गुणों से परिपूर्ण है जिसके कारण यह भारत के अधिकतर राज्यों में बोली जाती है।

अभ्यास कार्य

प्रश्न 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :-

(क) इस कविता में हिन्दी भाषा के किन प्रमुख कवियों का उल्लेख किया गया है ?

उत्तर→ इस कविता में मीरा, केशव, जायसी, तुलसी, सूर कबीर आदि कवियों का उल्लेख किया गया है।

(ख) 'हिन्दी एक संपन्न भाषा है।' इस भाव को बताने वाली पंक्तियाँ कविता से छाँटकर लिखो।

उत्तर शब्द शब्द संवेदना, अक्षर - अक्षर प्यार।
हर सुख से संपन्न है, हिन्दी का संसार

(ग) कवि ने किन पंक्तियों के माध्यम से अंग्रेजी बोलने वाले भारतवासियों पर व्यंग्य किया है ?

उत्तर हिन्दी तो छोड़ी मगर, बन न सके अंग्रेज़।
एक मुखौटा उम्र - भर, रखते रहे सहेज ।।

प्रश्न 2 सही कथन के सामने ☑ और गलत के सामने ☒ का चिह्न लगाएँ :—

1 यह कविता कबीरदास के बारे में है। ☐

2 इस कविता के रचयिता श्री गोपालदास 'नीरज' हैं। ☐

3 हिन्दी के हर शब्द में संवेदना और हर अक्षर में प्यार है। ☐

4 जायसी और केशव हिन्दी के प्रसिद्ध कवि हैं। ☐

व्याकरण

प्रश्न 3 निम्न शब्दों के विलोम लिखो :-

1 अर्थ - अनर्थ 2 संपन्न - विपन्न

3 दिवस - रात्रि 4 उधार - नगद

5 एक - अनेक 6 भला - बुरा

भाजा की समझ (रफ कॉपी में करे)

वास्तविक या कल्पित ध्वनि के अनुकरण के आधार पर बनने वाली क्रियाओ को अनुकरणात्मक क्रियाएँ कहते है। जैसे - मैंने दरवाजा खटखटाया। 'खटखट' ध्वनि से 'खटखटाना' अनुकरणात्मक क्रिया बनी है।

प्रश्न 4 निम्नलिखित वाक्यो मे अनुकरणात्मक क्रियाएँ भरो :-

1 तालाब में मेढक टर्रटर्रा रहे। (टर्र - टर्र)
2 आकाश में तारे ______ रहे है। (टिम - टिम)
3 उसके मुहँ पर मक्खियाँ ______ रही है। (भिन - भिन)
4 तुम क्या ______ रहे हो। (बड़ - बड़)

प्रश्न 5 निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके अपने वाक्य बनाओ।

1 भाषा - ______
2 उधार ______
3 सुख - ______
4 नाम - ______

प्रश्न 6 कविता याद करे तथा लिखे — (2 time)

Class-5

पाठ - 1
हिन्दी का संसार

कवि - जय चक्रवर्ती जी

शब्द - अर्थ

तकदीर - भाग्य

सम्पन्न - धनी

अंकित - छपा हुआ

बे-दाम - अनमोल

मुखौटा - नकली बाहरी चेहरा

परिंदे - पक्षी

Class - 5th

Sub - Hindi

Sub. Teacher -

Varsha Sable

Class - 5th

Sub - Hindi

Sub. Teacher -

Varsha Sable

Date ....

Expt. No. .... Page No. 3

2 अंकित जिनकी रोटियों पर, हिन्दी का नाम।
हिन्दी उनके वास्ते, शब्द एक बे-दाम ।।
हिन्दी तो छोड़ी मगर बन न सके अंग्रेज।
एक मुखौटा उम्र-भर, रखते रहे सहेज ।।

सन्दर्भ -

प्रसंग -

अर्थ - कवि श्री जय चक्रवर्ती जी कहते है कि हमारे देश भारत की मुख्य भाषा हिन्दी है। बिना हिन्दी के हम अपनी दिनचर्या नही बिता सकते है। हिन्दी भाषा भारत-वासियों के लिए बहुत अनमोल है। जिसका कोई मोल नही है। परन्तु हिन्दी भाषा मे इतनी विशेषता होने के बाद भी भारत मे कुछ लोगों ने हिन्दी भाषा को छोड़कर अंग्रेज़ी भाषा को अपनाया लेकिन अंग्रेज़ नही बन सके। बस अंग्रेज़ी भाषा को महत्व देकर सारी उम्र उसे सीखने में लगे रहे।

3 कथनी के कुछ अर्थ हैं, करनी के कुछ अर्थ।
सौ-सौ 'हिन्दी-दिवस' भी ऐसे में हैं व्यर्थ।।
अरे, परिंदे! छोड़कर, निज बोली अनमोल।
कब तक बोलेगा भला, तू उधार के बोल।।

सन्दर्भ -

प्रसंग -

अर्थ - इन पंक्तियों मे कवि कहते है कि कुछ लोग हिन्दी बोलने के लिए दूसरों को प्रेरित करते है। लेकिन वे स्वयं हिन्दी भाषा का प्रयोग नही करते है। उनकी कथनी-और करनी में बहुत अंतर होता है। ऐसे लोगो के लिए हिन्दी दिवस कितनी ही बार आ जाए सब बेकार है। कवि कहते है हे पक्षी, हे मनुष्य, तु अपनी मातृभाषा हिन्दी को छोड़कर दूसरों की भाषा (अंग्रेज़ी कब तक बोलेगा।

Teacher's Signature : __________

जो शब्दांश किसी मूल शब्द या धातु के अंत में कोई संज्ञापद क्रियापद आदि बनाने के लिए जोड़े जाते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं।

निम्नलिखित शब्दों में 'ता' प्रत्यय जोड़कर भाववाचक संज्ञा बनाओ :-

1. आवश्यक - आवश्यकता
2. शीतल - शीतलता
3. श्रेष्ठ - श्रेष्ठता
4. स्वच्छ - स्वच्छता
5. दृढ़ - दृढ़ता
6. निर्मल - निर्मलता

[रफ कॉपी में करे]

प्रश्न 3 के प्रश्न-उत्तर (क से ङ) तक रफ कॉपी में लिखो। 2 time

अभ्यास कार्य

प्र.1 सही विकल्प चुनकर लिखो :-

(1) चारों मित्र कहाँ रहते थे ?
(क) गाँव में (ख) नगर में (ग) महल में
उत्तर नगर में

(2.) जीवित होने के बाद शेर ने कितने मित्रों को मार डाला ?
(क) एक मित्र को (ख) दो मित्रों को (ग) तीन मित्रों को
उत्तर तीन मित्रों को

(3) चौथा मित्र कहाँ चढ़ गया ?
(क) पहाड़ पर (ख) पेड़ पर (ग) घर पर
उत्तर पेड़ पर

प्र-2 खाली स्थान भरो :-

(1) चौथा मित्र अपने तीन मित्रों की अपेक्षा अधिक बुद्धिमान था। (मूर्ख / बुद्धिमान)

(2) चारों मित्र विदेश जाने के लिए जंगल से गुजर रहे थे। (जंगल / नदी)

(3) विद्या के घमंडी मित्रों ने शेर को जीवित कर दिया। (अधमरा / जीवित)

उत्तर चौथा मित्र बुद्धिमान था। वह कहने लगा शेर जीवित होते ही हम सब को खा लेगा इसलिए तुम उसे जीवित मत करो।

ङ. अंत में चारों मित्रों का क्या हुआ?

उत्तर अंत में चारों मित्रों में से तीनों मित्रों को शेर ने मार डाला। और चौथा मित्र शेर के वहाँ से जाते ही पेड़ से नीचे उतरा और अपने रास्ते की ओर चल दिया।

व्याकरण

प्र. 1 निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखो :-

1 शेर - सिंह वनराज मृगराज

2 पेड़ - वृक्ष तरु विटप

3 रास्ता - पथ मार्ग राह

4 बुद्धिमान - समझदार अक्लमंद गुणी

(4) चौथा मित्र शेर के चले जाने के बाद पेड़ से नीचे उतरा। (पेड़ / बस)

प्र. 3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो:-

(क) विद्या ग्रहण करने के बाद चारों मित्र कहाँ जा रहे थे?
उत्तर- विद्या ग्रहण करने के बाद चारों मित्र विदेश जा रहे थे।

(ख) जंगल से गुजरते हुए चारों मित्रों को क्या दिखाई दिया?
उत्तर- जंगल से गुजरते हुए चारों मित्रों को एक मरे हुए शेर के अंग बिखरे हुए दिखाई दिए।

(ग) पहले मित्र ने शेर की अस्थियों का क्या किया?
उत्तर पहले मित्र ने शेर की अस्थियों को क्रम से लगाकर एक हड्डियों का ढ़ाँचा तैयार किया।

(घ) चौथे मित्र ने तीसरे मित्र को शेर को जीवित करने से क्यों रोका?

Class - 5 Sub - Hindi

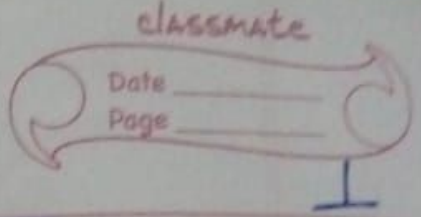

पाठ - 2

मूर्ख विद्वान

शब्द - अर्थ

विद्या - ज्ञान

घमंड - अभिमान

मृत - मरा हुआ

अस्थिपंजर - हड्डियों का ढाँचा

अभिमानी - घमंडी

प्राण - जीवन

परिणाम - नतीजा

जीवित - जिंदा

चमत्कार - करिश्मा

PAGE NO.: 4
DATE: / /

उत्तर जुम्मन शेख न्याय के पद पर बैठे थे। वे गलत निर्णय लेकर अलगू चौधरी से अपनी दुश्मनी नहीं निकाल सकते थे। सरपंच के मुख्य आसन पर बैठते ही उनके मन में न्याय और धर्म के प्रति जिम्मेदारी का भाव पैदा हुआ और उन्होंने पंच को परमेश्वर का दर्जा देते हुए सही न्याय किया।

व्याकरण

प्र:। अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखो:-

1. जो सबसे ऊँचा हो - सर्वोच्च
2. जिसका पति मर गया हो - बेवा
3. जो कभी न टल सके - अटल
4. भगवान की वाणी - देववाणी
5. माता की बहन - मौसी
6. बहन का पुत्र - भांजा

उपसर्ग -

वे शब्दांश जो किसी शब्द से पहले जोड़े जाते हैं और जिनसे शब्द का अर्थ बदल जाता है, वे उपसर्ग कहलाते हैं।

PAGE NO.: 3
DATE: / /

प्र.2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो।

क अलगू चौधरी और जुम्मन शेख में कैसी मित्रता थी?

उत्तर अलगू चौधरी और जुम्मन शेख में गहरी मित्रता थी।

ख बूढ़ी खाला ने अलग रहने की माँग क्यों की?

उत्तर जुम्मन शेख खाला को न तो रोटी देता और न ही कपड़े, रोज़ उन्हें कड़वी बातें सुनाता उनका अपमान करता, जब खाला से यह सब नहीं सहा गया तो उन्होंने अलग रहने की माँग की।

ग अलगू चौधरी ने किसके पक्ष में फैसला दिया?

उत्तर अलगू चौधरी ने खालाजान के पक्ष में फैसला दिया।

घ अलगू चौधरी और समझू साहू के बीच किस बात को लेकर झगड़ा हुआ?

उत्तर समझू साहू ने अलगू चौधरी से बैल खरीदा और उसके पैसे नहीं दिए। जब भी अलगू चौधरी पैसे माँगने जाता, समझू साहू पैसों के लिए उनसे लड़ाई करता।

ङ. जुम्मन शेख ने मौका मिलने पर भी अपना बदला क्यों नहीं लिया?

PAGE NO.: 2
DATE: / /

13 परामर्श - सलाह

14 सिर-फुटौवल - झगड़ा

15 उन्न - एतराज

16 सर्वोच्च - सबसे ऊँचे

17 सदृश - समान

18 गाढ़ी - गहरी

19 अटल - कभी न टलने वाला

अभ्यास

प्र.1 सही विकल्प चुनकर लिखो ।

(1.) अलगू चौधरी ने समझू साहू को क्या बेचा?
(क) घोड़ा (ख) बैल (ग) बकरी
उत्तर बैल

(2) खाला ने जुम्मन को मामला कहाँ पेश करने की धमकी दी?
(क) अदालत में (ख) थाने (ग) पंचायत में
उत्तर पंचायत में

Class-5
Sub - Hindi

(1.) PAGE NO: 1 DATE: / /

पाठ - 3

पंच परमेश्वर

शब्दार्थ -

1 मिलकियत - जायदाद
2 धूष्टता - कुटिलता
3 दूभर - मुश्किल
4 निर्णय - फैसला
5 बेकस बेवा - असहाय विधवा
6 जिरह - बहस
7 चकित - हैरान
8 संकल्प-विकल्प - दुविधा
9 नीतिसंगत - न्याय के अनुसार
10 निदान - इस कारण, अंत में
11 खेप - फेरा
12 खपत - परिश्रम

प्र·2 निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाओ-

1	अन	- अनसुना	अनदेखा
2	सु	- सुमार्ग	सुविचार
3	कु	- कुरूप	कुपुत्र
4	अ	- अभाव	अटल

प्र·3 निम्नलिखित शब्दों में कौन-से उपसर्गों का प्रयोग हुआ है लिखो-

1	सजल	-	स
2	कुप्रथा	-	कु
3	कमअक्ल	-	कम
4	गैरकानूनी	-	गैर
5	बदनाम	-	बद
6	नापसंद	-	ना

Class- 5
Sub- Hindi

पाठ - 4

दया की देवी - मदर टेरेसा

<u>शब्दार्थ</u> -

उज्जवल	-	प्रकाशमान
अग्नि	-	आग
साम्य	-	समानता
प्रज्ज्वलित	-	जल रही
यौवन	-	जवानी
उपेक्षित	-	जिसकी ओर किसी ने ध्यान न दिया हो
गरीबनवाजी	-	निर्धनों की सेवा
कंटकपथ	-	काँटों से भरा रास्ता
अनवरत	-	लगातार
दारिद्र्य	-	गरीबी
व्यापक	-	फैला हुआ

अकिंचन - गरीब

प्रतिष्ठित - सम्मानित

उद्गार - भावपूर्ण बातें

अभ्यास

प्र.1 सही विकल्प चुनकर लिखिए।

(क) कौन-सा नगर मदर टेरेसा की कार्यस्थली रहा है?
① दिल्ली ② कोलकाता ③ चेन्नई
उत्तर कोलकाता

(ख) मदर टेरेसा ने 'नोबेल पुरस्कार' कहाँ ग्रहण किया था
① ओसलो में ② दिल्ली में ③ पेरिस में
उत्तर ओसलो में

प्र.2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो।

क मदर टेरेसा का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
उत्तर मदर टेरेसा का जन्म 27 अगस्त, 1910 को वर्तमान मैसिडोनिया की राजधानी स्कोप्यो में हुआ था।

दरअसल, जिस दिन पद्मधर जी ने ज्वाइन किया था, उसी दिन उन्होंने कर्मचारियों के साथ एक मीटिंग भी की थी और कहा था, "अब इस कंपनी के उत्पाद को विश्व बाज़ार में शामिल होना है। इसलिए हम सबको पूरे मन से इसमें लगना होगा, लेकिन यह तभी संभव है, जब कर्मचारी काम के समय सिर्फ काम करें। काम के वक्त अपना समय बरबाद न करें। और हाँ, अगर किसी को धूम्रपान की आदत हो, तो अपनी आदत से बाज़ आए। मुझे धुएँ से बेहद चिढ़ है।" उनके इस वक्तव्य से कुछ ऐसे कर्मचारी, जो काम से अधिक काम का दिखावा करते थे, परेशान हो गए। कुछ ने तो दबी ज़ुबान से यह भी कहा, "हम जैसा करते आए हैं, वैसा ही करेंगे।" ठिगने कद के पद्मधर जी चलते भी हैं पहलवानों की तरह ही। हम दोनों एक ही शहर यानी पटना के रहने वाले हैं, लंगोटिया यार हैं, लेकिन मैं बहुत पहले अपने शहर से चला आया था और यहाँ सेटल हो गया। बाद में पद्मधर जी भी आजीविका के लिए इस शहर से उस शहर घूमते रहे। उनके घर में गरीबी बहुत थी। पढ़ने में अच्छे थे, लेकिन अभाव के कारण उन्हें पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी। मेरे घर के बगल में ही उन्होंने भी किराए पर एक मकान ले रखा है। उनकी कंपनी का एक कर्मचारी भी मेरा पड़ोसी है। उसी से डे-टू-डे की खबरें मुझे मिलती रहती हैं। एक दिन ऑफिस से वे सीधे मेरे घर पर रात में करीब नौ बजे आ धमके और मुझसे बोले, "गुरु, तुम एकदम सफेद झूठ बोलते हो!"—

"आप रंगों की कंपनी में मैनेजर क्या हो गए कि झूठ को भी सफ़ेद, काला, हरा और न जाने क्या-क्या बनाने लगे!" मैंने उन्हें कुर्सी की ओर बैठने का इशारा करते हुए कहा।

"भई, मैं बहुत सीरियस हूँ।" "आगे आप कुछ बताएँगे भी कि सिर्फ भूमिका ही बनाते रहेंगे?" मैंने कहा।

"कल हम दोनों को एक साथ फिल्म देखने जाना था और तुम ऐन वक़्त पर खुले कपूर की तरह न जाने कहाँ उड़ गए!" यह बात उन्होंने पूरे पावर में कही।

"ठीक है, मैं झूठ बोल गया, लेकिन इसमें आपने रंग क्यों मिला दिया कि यह सफ़ेद हो गया।" मैंने उनका गुस्सा शांत करते हुए कहा।

शब्द-अर्थ

मीटिंग = सभा (Meeting) उत्पाद = बनाई जाने वाली वस्तु (Product) वक्त = समय (Time) वक्तव्य = कथन (Statement)
सीरियस (Serious) पावर = शक्ति (Power)